राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, सोलन हि.प्र.

(हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला से सम्बद्ध)

त्रिदिवसीयराष्ट्रियसंस्कृत – संगोष्ठी

"राष्ट्र एवं समाज के निर्माण में संस्कृत भाषा की भूमिका"

15 – 16 – 17 सितम्बर 2016

सेवा मे

.....

.....

.....

विषय :- **त्रिदिवसीयराष्ट्रियसंस्कृत – संगोष्ठी**

महोदय,

आपको सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि इस महाविद्यालय के प्रागण मे आगामी 15 - 16 - 17 सितम्बर 2016 ई0 तदनुसार बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार को त्रिदिवसीय सगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है जिसमें राष्ट्र के प्रख्यात विद्वानो, कुलपतियो, प्रतिभागियो द्वारा **"राष्ट्र एवं समाज के निर्माण में सस्कृत भाषा की भूमिका"** विषय की समीक्षा की जाएगी ।

हिमाचल प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री संस्कृत भाषा के महान् पक्षधर उत्सवमूर्ति माननीय **"राजा वीरभद्र सिंह"** जी ने कृपा पूर्वक समारोह के उद्घाटन की स्वीकृति प्रदान की है । इस अवसर पर सारस्वत अतिथि **सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रो. अभिराज राजेन्द मिश्र** जी सगोष्ठी का बीजभाषण करते हुए विषय का प्रतिपादन करेगे व **श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रियसस्कृत विद्यापीठ, मानित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** जी सगोष्ठी के विशिष्ठ अतिथि होगे ।

आपसे विनम्र अनुरोध है कि **महामहोपाध्याय पं0 मथुरा प्रसाद दीक्षित** की कर्मस्थली तथा माँ शूलिनी के इस पवित्र धाम में पधार कर आप संगोष्ठी के उद्घाटन एवं अन्य शैक्षणिक सत्रों में अपना योगदान प्रदान करें । दिनांक 15 सितम्बर की काव्यसंध्या का गौरव **पद्मश्री डॉ. रमाकान्त शुक्ल जी** की अध्यक्षता से बढ़ेगा एवं 16 सितम्बर को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा । आपके भोजन एवं आवास की व्यवस्था महाविद्यालय परिवार द्वारा की जाएगी । कृप्या अपने आने की सूचना दूरभाष या ई - मेल द्वारा देने की कृपा करें तथा अपने शोधपत्र की एक प्रति पंजीकरण के समय आयोजन समिति को देने की कृपा करें।

संस्कृत संगोष्ठी के कुछ प्रस्तावित विषय :-

- सर्वधर्म सम्भाव की स्थापना में संस्कृत का योगदान ।
- आतंकवाद की समस्या का समाधान – संस्कृत शिक्षा ।
- सामाजिक विषमता से मुक्ति का स्रोत – ऋग्वेद का संज्ञानसूक्त ।
- पर्यावरण की स्थापना में संस्कृत की भूमिका ।
- महामहोपाध्याय मथुरा प्रसाद दीक्षित की काव्य साधना ।
- हिमाचल प्रदेश के संस्कृत कवि ।
- हिमाचल प्रदेश में भागवत् कथा परम्परा ।
- हिमाचल प्रदेश में संस्कृत शिक्षा का स्वरूप ।
- हिमाचल प्रदेश की नदियों का अतीत एवं वर्तमान ।
- स्मृतियों में नारी अधिकारों की चर्चा ।
- संस्कृत साहित्य में नारी विमर्श ।
- संस्कृत साहित्य में दलित विमर्श ।
- मानवाधिकार एवं संस्कृत ।
- संस्कृत में मीडिया एवं पत्रकारिता ।
- संस्कृत में गौ रक्षा और पशु धन का महत्व ।
- कालिदास के साहित्य में राष्ट्र एवं इतिहास ।

टिप्पणी :- प्रतिभागी स्वेच्छा से भी लिख सकते हैं ।

पंजीकरण शुल्क :- शोध छात्र 1000 रु.
शिक्षक 2000 रु.

स्थान : सोलन
सम्पर्क : 94184 – 90191
ई – मेल : gscsolanhp@gmail.com

संयोजक
डॉ. मुकेश शर्मा
साहित्याचार्य